संख्या : 2-एक(7)/XXXVI(1)/2006-582/01

प्रेषक,

यू०सी०ध्यानी,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

महाप्रशासक,
उत्तरांचल,
233/5, नया बाजार,
तल्लीताल, नैनीताल ।

न्याय अनुभाग : 1 देहरादून : दिनांक : 2\ फरवरी, 2006

विषय: महाप्रशासक कार्यालय हेतु सृजित पदों की निरन्तरता बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 20-एक(7)/छत्तीस(1)/न्या.अनु./2005, दिनांक 9.5.2005 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि महाप्रशासक कार्यालय हेतु शासनादेश संख्या 15-एक(1)/न्याय अनुभाग/2003, दिनांक 14.2.2003 द्वारा सृजित सभी अस्थायी पदों के कार्यकाल को वर्तमान शर्तो प्रतिबन्धों के अधीन, यदि वे बिना किसी पूर्व सूचना के पहले ही समाप्त न कर दिये जाए, दिनांक 1.3.2006 से 28.2.2007 तक बढ़ाये जाने की महामहिम राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2. उक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-04 के लेखाशीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-07-महाप्रशासक कार्यालय, नैनीताल-00" के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक ईकाइयों के नामें डाला जायेगा ।

भवदीय,

(यू०सी०ध्यानी)
सचिव ।

संख्या : 2-एक(7)/XXXVI(1)/2006-582/01-तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एंव हकदारी) उत्तराचंल, माजरा, देहरादून ।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
3. वित्त अनुभाग-5/एन.आई.सी./गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

(वीरेन्द्र पाल सिंह)
अनुसचिव ।